अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 323 | श्री विजय पुरम, रविवार, 30 नवंबर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

आज सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में अपने विचार साझा करेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 29 नवंबर।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी रविवार सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम की 128वीं कड़ी में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम को पूरे आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज़ऑनएयर मोबाइल ऐप पर प्रसारित किया जाएगा।

इसका सीधा प्रसारण आकाशवाणी समाचार, डीडी न्यूज़, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चौनलों पर भी किया जाएगा। आकाशवाणी से हिंदी में प्रसारण के बाद क्षेत्रीय भाषाओं में भी कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा।

कारनिक महोत्सव सम्पन्न

कार निकोबार, 29 नवम्बर

सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं से भरपूर कारनिक महोत्सव 2025 का समापन कल एडवर्ड कुच्छट पार्क, परका, कार निकोबार में अत्यंत उत्साह और सफलता के साथ हुआ। 26 से 28 नवम्बर, 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय इस उत्सव में क्षेत्र भर से भारी संख्या में प्रतिभागियों और दर्शकों ने भाग लिया, जिसने स्थानीय समुदाय की भावना, विरासत और एकता को गर्व के साथ प्रदर्शित किया।

महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अमित काले (आईएएस), उपायुक्त, निकोबार ज़िला तथा विशिष्ट अतिथि श्री राहुल एल. नायर (आईपीएस), पुलिस अधीक्षक और श्री लियोनाल्ड निकोमेड, अध्यक्ष, जनजातीय परिषद, कार निकोबार की उपस्थिति में हुआ। गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न विभागों और कलाकारों द्वारा प्रदर्शित रचनात्मकता, समर्पण और प्रयासों की सराहना करते हुए स्टालों का निरीक्षण किया और प्रतिभागियों से बातचीत की।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में पारंपरिक एवं आधुनिक गीत, ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुतियाँ और अत्यंत लोकप्रिय लोक–नृत्य एवं समूह–नृत्य प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे महोत्सव में रंग, उत्साह और सांस्कृतिक समृद्धि का अद्भुत संगम देखने को मिला।

प्रदर्शनी क्षेत्र भी आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों ने अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई। इन स्टालों का मूल्यांकन रचनात्मकता, जन–संपर्क, प्रस्तुति और प्रासंगिकता के आधार पर किया गया।

पशु चिकित्सा विभाग, कार निकोबार को प्रथम स्थान, समन्वित बाल विकास योजना (जनजातीय परियोजना) विभाग को दूसरा स्थान तथा कार निकोबार के उद्योग विभाग को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनी स्टालों के विजेताओं को मुख्य अतिथि और अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी और सभी प्रतिभागियों की स्थानीय परंपराओं और संस्कृति को सुरक्षित रखने एवं बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

प्राप्त विज्ञपित के अनुसार कारनिक महोत्सव 2025 ने सांस्कृतिक आदान–प्रदान, सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय प्रतिभा के सम्मान के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कार्य किया। इसने निकोबार द्वीपसमूह की अनोखी परंपराओं, मूल्यों और रचनात्मकता का उत्सव मनाते हुए सामाजिक सद्भाव को और अधिक मजबूत किया।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन मार्च, 2026 के मध्य में राधा नगर तट पर कई अंडरवाटर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेगा

प्रमाणित गोताखोरों से पंजीकरण आमंत्रित, भरे हुए पंजीकरण फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर है

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन मार्च, 2026 के मध्य में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के स्वराज द्वीप स्थित राधा नगर तट पर कई अंडरवाटर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास कर रहा है। इन रिकॉर्ड्स में शामिल हैं:

1. "पानी के अंदर फहराया गया सबसे बड़ा झंडा"
2. "पानी के अंदर सबसे ऊँचा मानव समूह"
3. "पानी के अंदर सबसे लंबी मानव श्रृंखला"

"पानी के अंदर सबसे लंबी मानव श्रृंखला" का रिकॉर्ड बनाने के प्रयास में भाग लेने के लिए, मनोरंजक और प्रमाणित स्कूबा गोताखोरों को आमंत्रित किया जाता है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह आयोजन संभवतः 20 से 30 मार्च, 2026 तक राधानगर तट नंबर–7, स्वराज द्वीप, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में आयोजित किया जाएगा।

चयन मानदंड:

- केवल भारतीय नागरिक ही इस अवसर के लिए पात्र हैं।
- न्यूनतम प्रमाणन आवश्यक: किसी भी मान्यता प्राप्त डब्ल्यूआरएसटीसी प्रशिक्षण एजेंसी से ओपन वाटर डाइवर।
- न्यूनतम दर्ज़ डाइव आवश्यक: 10 या अधिक।
- प्रतिभागियों को डॉक्टर से 'डाइविंग के लिए उपयुक्त' स्वीकृति के साथ डब्ल्यूआरएसटीसी मेडिकल फॉर्म जमा करना होगा। (पंजीकरण के समय डब्ल्यूआरएसटीसी मेडिकल फॉर्म और चिकित्सक गाइड दस्तावेज़ प्रदान किया जाएगा।)
- प्रतिभागियों की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।

निम्नलिखित को प्राथमिकता दी जाएगी:

- ओपन वाटर डाइवर से उच्चतर प्रमाणपत्र वाले प्रमाणित गोताखोर और 10 से अधिक गोता लगाने का रिकॉर्ड।
- अपने स्वयं के उपकरण वाले गोताखोर।
- अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन प्रतिभागियों की आवश्यकतानुसार डाइविंग उपकरण उपलब्ध कराएगा, जिनके पास अपना उपकरण नहीं है, सिवाय प्रिस्क्रिप्शन मास्क के, यदि आवश्यक हो।

नोट: जिन गोताखोरों को प्रिस्क्रिप्शन डाइविंग मास्क की आवश्यकता है, उन्हें अपने स्वयं के डाइविंग मास्क लाने होंगे।

चयन प्रक्रिया:

- डाइव प्रोफेशनल्स और अण्डमान निकोबार कमान का एक पैनल अंतिम प्रतिभागियों का चयन करेगा। चयनित प्रतिभागियों को आगे की प्रक्रियाओं के बारे में ईमेल के माध्यम से सूचित किया जाएगा।
- 50 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों को मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र प्रदान करना होगा।
- चयन के लिए पंजीकरण फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर, 2025 शाम 5 बजे तक ईमेल आईडी **andamantourismscuba@gmail.com** पर है।

नियम और शर्तें:

लागत: यात्रा, आवास और भोजन आदि से संबंधित सभी लागतें चयनित प्रतिभागियों को वहन करनी होंगी।

नोट: विशेष जीडब्ल्यूआर प्रयास पैकेज प्रदान करने वाले भाग लेने वाले होटलों की सूची, यदि उपलब्ध हो, तो संभावित प्रतिभागियों को प्रदान की जाएगी।

- यह एक गैर–लाभकारी आयोजन है। पंजीकरण, चयन और भागीदारी निःशुल्क है। हालाँकि, यदि जीडब्ल्यूआर सफलतापूर्वक तैयार हो जाता है, तो अंतिम प्रतिभागियों को निम्नलिखित संबंधित जीडब्ल्यूआर लागतों का वहन करना होगा:
- जीडब्ल्यूआर भागीदारी प्रमाणपत्र: 15 जीबीपी
- जीडब्ल्यूआर डिजिटल भागीदारी प्रमाणपत्र: 3 जीबीपी
- जीडब्ल्यूआर "GWR Medallion": 05 जीबीपी
- उम्मीदवार स्वतंत्र रूप से चुन सकते हैं कि वे इनमें से कोई एक/दोनों/कोई नहीं खरीदना चाहते हैं।
- जीडब्ल्यूआर की लागत जीडब्ल्यूआर मानदंडों के अनुसार परिवर्तन के अधीन है।

नोट: विवरण और पंजीकरण फॉर्म वेबसाइट **www.https://tourism.andamannicobar.gov.in/**पर उपलब्ध हैं। कृपया अपना पंजीकरण फॉर्म आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ 15 दिसंबर, 2025 को शाम 5 बजे तक ईमेल आईडी **andamantourismscuba@gmail.com** पर जमा करें। सीमित स्थान उपलब्ध हैं।

राज्य पुस्तकालय में अभ्यर्थियों के लिए पहली यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा अभिमुखीकरण कार्यक्रम संचालित

120 अभ्यर्थी कार्यक्रम में शामिल हुए, कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे

श्री विजय पुरम, 29 नवम्बर

राज्य पुस्तकालय में आज शिक्षा निदेशालय द्वारा यूपीएससी अभ्यर्थियों के लिए पहली यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राज्य पुस्तकालय, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में आयोजित हुआ। श्री विक्रम सिंह, निदेशक (शिक्षा), ने यूपीएससी परीक्षा संरचना, पाठ्यक्रम तथा तैयारी रणनीतियों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करते हुए एक प्रस्तुति दी। उन्होंने

अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध प्रमुख संसाधनों पर भी प्रकाश डाला और बताया कि चयनित विद्यार्थियों, जिनमें जनजातीय छात्र भी शामिल होंगे, के लिए यह अभिमुखीकरण–सह–कोचिंग कार्यक्रम राज्य पुस्तकालय में नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। सुश्री तृप्ति कल्पहंस (आईएएस), सहायक आयुक्त (बंदोबस्त), ने भी शुरुआती विद्यार्थियों के लिए परीक्षा पैटर्न समझाया और तैयारी शुरू करने, उपयुक्त पुस्तकों के चयन और विषयों के चुनाव पर मार्गदर्शन दिया। सत्र में श्री

शेष पृष्ठ 4 पर

विकसित भारत युवा संसद में छात्राओं का दमदार प्रदर्शन

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

अण्डमान लॉ कॉलेज और टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, श्री विजय पुरम ने विकसित भारत युवा संसद ज़िला राउंड के भाग के रूप में आयोजित संसदीय प्रतियोगिता में पांच–पांच पदों पर कब्ज़ा किया। टैगोर कॉलेज ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अण्डमान लॉ कॉलेज ने दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का विषय 50 वर्ष की आपातकाल और लोकतंत्र के लिए सबक था। सर्किट बेंच पोर्ट ब्लेयर में कलकत्ता उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार श्री राशिद आलम ने शीर्ष दस विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों के 72 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से शीर्ष 10 का चयन निर्णायकों द्वारा किया

गया था, जिसमें डॉ. आर.वी.आर. मूर्ति (एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान), विशाल यादव (पीएम श्री केवी–2 के प्रधानाचार्य), डॉ. आर.जी.एस. बघेल (एसोसिएट प्रोफेसर) और संजीब कुमार रॉय (मुख्य संपादक, अण्डमान शिखा) शामिल थे। समापन समारोह की अध्यक्षता अण्डमान लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी. वी. एन. शर्मा ने की। माई भारत के संयुक्त निदेशक श्री सुखरंजन बिस्वास ने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी ज़िलों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रत्येक ज़िला स्तर राउंड में, शीर्ष दस को राज्य स्तर राउंड के लिए चुना गया था। चयनित उम्मीदवारों की राज्य स्तरीय राउंड में आगे स्क्रीनिंग की जाएगी, जो दिसंबर के तीसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हिमानी वाघ, आर. संजना, दिशा सिंह, जे. काव्या, श्री साईं और टैगोर कॉलेज से अकांशा चेलेक चेला और अण्डमान लॉ कॉलेज से कोमल प्रीत कौर, पी. आलिया मजीद, के. नंदिनी, एम. आकांक्षा और एशली चाको प्रथम दस विजेता हैं। अण्डमान लॉ कॉलेज में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीव मंडल ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया और धन्यवाद ज्ञापन दिया। सुश्री मनीषा और सुश्री विशाखा ने इस कार्यक्रम की मेज़बानी की।

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में 30 मॉडल व प्रोजेक्ट प्रदर्शित

श्री विजय पुरम, 29 नवम्बर

विज्ञान केन्द्र, श्री विजय पुरम में आज कक्षा 6वीं से 11वीं तक के स्कूल छात्रों के लिए राज्य स्तरीय विज्ञान प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 चयनित कार्यशील विज्ञान मॉडलों और प्रोजेक्ट्स को छात्रों द्वारा प्रदर्शित और समझाया गया, जिससे युवा वैज्ञानिक प्रतिभा सामने आई।

चार उत्कृष्ट छात्रों को क्रमशः 5,000 रुपये, 3,000 रुपये, 2,000 रुपये और 1,000 रुपये तथा प्रमाणपत्रों के साथ सम्मानित किया गया। सुदीप्तो दास (राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, सीतानगर) को 'ऑटोमेटेड मिल्क स्पिलिंग स्टॉपर' परियोजना के लिए विजेता घोषित किया गया। पोलिमेरा लावण्या (सेंट जेवियर्स स्कूल, मनारघाट) को 'सस्टेनिंग लाइफ बियॉन्ड अर्थ' परियोजना के लिए प्रथम उप विजेता घोषित किया गया। के.आर. दयानिधि (विवेकानंद नगर पालिका विद्यालय, रांची टेकरी) को 'वेस्ट सेग्रिगेशन ऑटोमेशन' परियोजना के लिए द्वितीय उप विजेता घोषित किया गया। भरनी

धरण (आरजीटी पब्लिक विद्यालय) को 'स्मार्ट इरिगेशन' परियोजना के लिए सांत्वना पुरस्कार मिला।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रदर्शनी में आम जनों, विद्यार्थियों और शिक्षकों की बड़ी संख्या ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन श्री देवाशीष पॉल, शिक्षा अधिकारी, विज्ञान केन्द्र द्वारा किया गया।

कमोर्टा में 'नौका इंजनों की खराबियाँ और समाधान' पर प्रशिक्षण दिया गया

ननकौड़ी, 29 नवम्बर

ननकौड़ी द्वीपसमूह के द्वीपों के मछुआरों के लिए 'नौका इंजनों की खराबियाँ और समाधान' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कल कमोर्टा में मत्स्य विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण में तकनीकी सहयोग सिफनेट, कोचीन द्वारा और वित्तीय सहयोग राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी), हैदराबाद द्वारा प्रदान किया गया था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) योजना के तहत आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री आदित्य संगोत्रा, सहायक आयुक्त, ननकौड़ी द्वारा किया गया। उन्होंने स्थानीय मछुआरों के उत्थान और कौशल विकास हेतु निकोबार क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी संस्था लाने के लिए मत्स्य विभाग की पहल की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इंजन की खराबियों और समस्या निवारण का बुनियादी ज्ञान केवल तकनीकी कौशल ही नहीं, बल्कि मछुआरों के लिए जीवन रक्षक क्षमता भी है, क्योंकि वे अक्सर चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि समय रहते इंजन समस्याओं का स्वयं निदान करना न केवल खराबी को रोक सकता है, बल्कि बाहरी मरम्मत पर निर्भरता कम करता है, संचालन क्षमता बढ़ाता है और रख–रखाव लागत में कमी लाता है। प्रशिक्षण सिफनेट की टीम द्वारा संचालित किया गया, जिसमें शामिल श्री एस. विश्वनाथन, प्रशिक्षक (एमई) एवं पाठ्यक्रम समन्वयक, श्री ई. प्रवीण, प्रशिक्षक (एमई), श्री एंटनी रीजॉय, प्रशिक्षक (एस एंड एन) तथा श्री वी. नरेश कुमार, ईडीसीएल–2 शामिल थे। टीम ने विस्तृत सैद्धांतिक सत्रों के साथ–साथ व्यावहारिक प्रदर्शन भी दिए, जिससे मछुआरों को सामान्य इंजन खराबियों की पहचान करने, रोकथाम रखरखाव तकनीकों को समझने और नाव पर ही बुनियादी मरम्मत करने का आत्मविश्वास प्राप्त हुआ।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ननकौड़ी क्षेत्र के कुल 50 मछुआरों ने प्रशिक्षण में भाग लिया और प्रमाणपत्र प्राप्त किए। यह कौशल उन्हें सुरक्षा बढ़ाने, संचालन में रुकावट कम करने और आजीविका में सुधार करने में सहायता करेगा।

विशेष कर संग्रह अभियान चला

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

नगरपालिका राजस्व उगाही को बढ़ाने और नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के निरंतर प्रयास के तहत श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने आज वार्ड संख्या–6 में खेतान कल्याण मंडपम, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद में विशेष कर संग्रह अभियान चलाया। इस अभियान के परिणाम उत्साहजनक रहे, जिसमें बड़ी संख्या में लोग अपने कर माफ़ करने के लिए आगे आ रहे थे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस बीच, 6 दिसंबर को, सभी नगरपालिका कर एकत्र करने के लिए वार्ड नंबर–7 (दिलानीपुर कम्युनिटी हॉल, विद्युत साइट कार्यालय, प्रेम नगर

और मुख्यालय, मुख्य कार्यालय, एसवीपीएमसी) में कर संग्रह अभियान चलाया जाएगा।

'डीब्राइट' द्वारा नियमित एनएसएस शिविर आयोजित

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, पहाड़गांव, श्री विजय पुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई–2 ने दक्षिण अण्डमान की प्रोथरापुर तहसील के बिड़नाबाद गांव में 29 नवंबर, 2025 को नियमित एनएसएस शिविर आयोजित किया। कार्यक्रम में बी.टेक. प्रथम वर्ष के कुल 33 एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रामीण विकास पहल के भाग के रूप में, नियमित और विशेष शिविर गतिविधियों के संचालन के लिए एनएसएस यूनिट–2 द्वारा बिड़नाबाद गांव को अपनाया गया है। ग्रामीण सामुदायिक सभागार में सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया, जहां बिड़नाबाद गांव के प्रधान श्री परमशिवम और ज़िला परिषद के उपाध्यक्ष श्री भूमिनाथन ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दिन

की गतिविधि के भाग के रूप में, स्वयंसेवकों ने बिड़नाबाद के पास के तटीय क्षेत्र में समुद्र तट सफाई अभियान चलाया, जहां उन्होंने प्लास्टिक कचरे को हटा दिया, कचरे को अलग कर दिया और प्लास्टिक के खतरों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया और एक स्वच्छ तटीय वातावरण बनाए रखने के महत्व को प्रोत्साहित किया।

पीआरआई के निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया गया

लिटल अंडमान, 29 नवम्बर

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत कल रवींद्र नगर ग्राम पंचायत हॉल, लिटिल अण्डमान में एक दिवसीय खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय शासन को सुदृढ़ करना और पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता बढ़ाना था। कुल 61 प्रधान और वार्ड सदस्यों ने प्रशिक्षण में भाग लिया, जो 'स्थानीय शासन को सुदृढ़ करनाः पीआरआई के सिद्धांतों और उद्देश्यों पर निर्वाचित प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण' विषय पर केंद्रित था। कार्यक्रम की शुरुआत विस्तार अधिकारी श्री विशाल मंडल द्वारा स्वागत भाषण से हुई। श्री सी.एच. किरण कुमार (डोमेन एक्सपर्ट आईटी)

संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रशिक्षण लिटिल अण्डमान क्षेत्र में स्थानीय प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और पीआरआई सदस्यों को अपनी समुदायों की बेहतर सेवा करने के लिए सशक्त बनाने के निरंतर प्रयास का हिस्सा था।

24वें राज्य स्तरीय स्कूल खेल व सीडब्ल्यूएसएन के लिए 9वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के नतीजे

श्री विजय पुरम, 29 नवम्बर

24वें राज्य स्तरीय स्कूल खेल और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए 9वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता, जिनका आयोजन शिक्षा निदेशालय के तहत नेताजी स्टेडियम में किया जा रहा है, आज भी उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ जारी रहीं। द्वीपसमूह के सभी नौ शैक्षिक अंचलों के छात्रों ने विभिन्न खेल विधाओं में कड़ी प्रतिस्पर्धा का प्रदर्शन किया।

दिन की प्रतिस्पर्धाओं में कई उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिले, जिनसे नए चैंपियन उभरकर सामने आए और चल रही प्रतियोगिताओं में ऊर्जा व गति का संचार हुआ। 24वें राज्य स्तरीय स्कूल खेल में लड़कों के रोप स्किपिंग में श्री विजय पुरम के मोहम्मद तबरेज़, लिटिल अण्डमान के देबोजित सील, रंगत के पी. विशाल, लड़कियों के रोप स्किपिंग में रंगत की जेस्मिन एक्का, लिटिल अण्डमान की रक्षा मिश्री, विम्बर्लीगंज की सिमिर कौर, लड़कों के रोड रेज़ में श्री विजय पुरम के पिंटू राम, डिगलीपुर के अनुप दास, ननकौड़ी के एस. वेकन, लड़कियों के रोड रेज़ में श्री विजय पुरम की अर्पिता टोप्पो, श्री विजय पुरम की रिंकी कुमारी, डिगलीपुर की रोचिना माल, पुरूष कर्मियों के रोड रेज़ में रंगत के आई. इलया पवित्रन, डिगलीपुर के मोहम्मद शियाबुद्दीन, कैम्पबेल बे के सुरंजन मल्लिक, महिला कर्मियों के रोड रेज़ में रंगत की प्रियंका मिस्त्री, रेखा, लड़कों के लम्बी कूद में कार निकोबार की इबाप्रेस कैरी, श्री विजय पुरम के मोहम्मद फायिज़, डिगलीपुर के तुहिन फोलिया, लड़कियों के 800 मीटर रेज़ में श्री विजय पुरम की रिंकी कुमारी, डिगलीपुर की दिशा

कुमारी तथा विम्बर्लीगंज की के. ज्योति को क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्का मिला।

सीडब्ल्यूएसएन के लिए प्रतियोगिताओं में लड़कों के बॉल थ्रो में विम्बर्लीगंज के एस. रोहित, श्री विजय पुरम के एस.के. तोहिद, कार निकोबार के विल ब्राउन, लड़कों के 100 मीटर स्प्रिंट में विम्बर्लीगंज के एस. रोहित, श्री विजय पुरम के एस.के. तोहिद, मायाबंदर के अजय समद्दार, लड़कियों के बॉल थ्रो में मायाबंदर की सलीना देवी, कैम्पबेल बे की टी. श्रीनीति, विम्बर्लीगंज की एलसी, लड़कों के लम्बी कूद में विम्बर्लीगंज के दिवाकर राज, कैम्पबेल बे के बीर्बल लोहरा, रंगत के डी. तरूण, लड़कियों के 100 मीटर में रंगत की बी. अनीता, श्री विजय पुरम की पी. भावना, कार निकोबार की रॉसलिली तथा लड़कियों की लम्बी कूद में विम्बर्लीगंज की वी. श्रीशा, लिटिल अण्डमान की सिरीशा एवं श्री विजय पुरम की एम. संजना को क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

विवेकानंद केन्द्र विद्यालय की वार्षिक खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

विवेकानंद केन्द्र विद्यालय, लम्बा लाइन, श्री विजय पुरम की 38वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2025–26 आज आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान ज़िले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार मीणा (आईपीएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में और 1 (अण्डमान तथा निकोबार), श्री विजय पुरम के कमांडिंग अधिकारी कर्नल के. युधेश्वर सिंह ने सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिभागियों के

प्रयासों की सराहना की और छात्रों को हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में बैंड प्रदर्शन, लयबद्ध योग, एरोबिक्स, लेज़िम नृत्य, मल्लखम्ब और अम्ब्रेला ड्रिल सहित शानदार प्रदर्शन किया गया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। बच्चों और अभिभावकों ने भी खेलों में बढ़–चढ़कर भाग लिया। इससे पहले, प्रधानाचार्य श्रीमती जया शिवशंकरन ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

दिलानीपुर स्कूल में भारतीय नौसेना द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियाँ

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर।

आगामी नौसेना सप्ताह समारोह के भाग के रूप में संचार नेटवर्क केंद्र इकाई, श्री विजय पुरम द्वारा संचार नेटवर्क केंद्र की अधिकारी प्रभारी लेफ्टिनेंट अनन्या सिंह के नेतृत्व में राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, दिलानीपुर में सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों का संचालन किया। नौसेना दिवस 2025 के साथ ही, संचार नेटवर्क केंद्र ने इस स्कूल में प्रेरक भाषण और जागरूकता सत्र आयोजित किया है। भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट मोहित कुमार बांके ने भूमिका और ज़िम्मेदारियों पर एक बहुत ही अभिप्रेरक और प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्रों को सूचित किया कि भारतीय नौसेना बहुआयामी भूमिकाओं के साथ एक बहुआयामी नौसेना है और विशेष रूप से भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमता और बदलती भू–संपत्तियों के साथ, भारतीय नौसेना की भूमिका आगामी चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामाजिक और आर्थिक हितों की रक्षा करने से परे है। भारतीय नौसेना को नवीनतम तकनीक के साथ जनशक्ति और मशीन बनाने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। इस देश के भविष्य के नागरिक होने के नाते छात्र भारतीय नौसेना में अवसरों के बारे में जागरूक होने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि वे पहले से अपने कॅरियर की योजना बना सकें और भारतीय नौसेना की समृद्ध विरासत को संरक्षित कर सकें। भारतीय नौसेना और सशस्त्र बल में विभिन्न स्तरों की प्रविष्टियों को छात्रों को उनके अनुसार तैयारी करने के लिए सशस्त्र बलों में अपना कॅरियर खोजने के लिए प्रबुद्ध किया गया था। यह भी बताया गया कि इस महान राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में उनकी ज़िम्मेदारी है और भारत सरकार के "विकसित भारत" मिशन

की अवधारणा के तहत एक विकसित राष्ट्र के रूप में विकसित करने के लिए एक महान राष्ट्र में भूमिका निभानी है। सत्र में भारतीय नौसेना की भूमिका और इसकी परिचालन क्षमताओं को दर्शाने वाली एक ऑडियो विजुअल प्रस्तुति शामिल थी। पूरा सत्र प्रेरणादायक रहा और छात्रों ने भी ईमानदारी से अपने प्रश्नों को स्पष्ट किया। यूनिट भी छात्रों को नाश्ता और स्टेशनरी वितरित की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोहम्मद यूनुस, प्रधानाध्यापक (प्रवर माध्यमिक) ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने भारतीय नौसेना के अधिकारियों को इस देश के महान हित में एक अद्भुत और विस्मयकारी सत्र के साथ छात्रों तक पहुंचने में उनकी समर्पित सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

जलयानों के यात्रा कार्यक्रम में संशोधन

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

आम जनता को सूचित किया गया है कि जहाज़रानी सेवा निदेशालय द्वारा घोषित यात्रा कार्यक्रम में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं।

1. एमवी कालीघाट (लिटिल अण्डमान से श्री विजय पुरम के लिए प्रस्थान समय 1 दिसंबर, 2025 को सुबह 7 बजे, स्थगित कर दिया गया है): एमवी कालीघाट अब 1 दिसंबर, 2025 को सुबह 7 बजे के बजाय रात्रि 10 बजे श्री विजय पुरम के लिए रवाना होगा।
2. एमवी नालंदा (लिटिल अण्डमान यात्रा प्रस्थान समय) को स्थगित कर दिया गया है: 2 दिसंबर, 2025 को श्री विजय पुरम से सुबह 8 बजे एमवी नालंदा से लिटिल अण्डमान की यात्रा की घोषणा की गई और उसी दिन लिटिल अण्डमान से रात्रि 9 बजे उनकी वापसी यात्रा स्थगित कर दी गई है।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार जहाज़ एमवी नालंदा अब 2 दिसंबर, 2025 को सुबह 8 बजे के बजाय रात्रि 9 बजे लिटिल अण्डमान के लिए हैडो घाट से रवाना होगा और 2 दिसम्बर के स्थान पर 3 दिसंबर, 2025 को रात 9 बजे श्री विजय पुरम के लिए रवाना होगा।

3. एमवी सिंधु (4 दिसंबर, 2025 की ननकौड़ी तथा कछाल होते हुए कैंपबेल बे की यात्रा को स्थगित कर दिया गया): एमवी सिंधु की श्री विजय पुरम से 2 दिसम्बर, 2025 को सुबह 9 बजे ननकौड़ी तथा कछाल होते हुए कैम्पबेल बे और 4 दिसम्बर, 2025 को सुबह 6 बजे कैम्पबेल बे से कछाल तथा ननकौड़ी होते हुए श्री विजय पुरम की निर्धारित यात्रा स्थगित कर दी गई है।

जहाज़ एमवी सिंधु के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार यह 4 दिसम्बर, 2025 को सुबह 9 बजे श्री विजय पुरम से ननकौड़ी तथा कछाल होते हुए कैम्पबेल बे जाएगा और 6 दिसम्बर, 2025 को सुबह 6 बजे कैम्पबेल बे से कछाल तथा ननकौड़ी होते हुए श्री विजय पुरम लौटेगा।

एमवी कालीघाट (4 दिसम्बर, 2025 की लिटिल अण्डमान होते हुए कार निकोबार की यात्रा स्थगित) एमवी कालीघाट की 3 दिसम्बर, 2025 को सुबह 7 बजे श्री विजय पुरम से लिटिल अण्डमान होते हुए कार निकोबार की घोषित यात्रा तथा 4 दिसम्बर, 2025 को शाम 4 बजे कार निकोबार से लिटिल अण्डमान होते हुए श्री विजय पुरम की वापसी यात्रा रद्द कर दी गई है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार जहाज़ एमवी कालीघाट अब 4 दिसम्बर, 2025 को सुबह 7 बजे हैडो घाट से लिटिल अण्डमान होते हुए कार निकोबार जाएगा और 5 दिसम्बर, 2025 को शाम 4 बजे लिटिल अण्डमान से कार निकोबार होते हुए श्री विजय पुरम लौटेगा।

एमवी चुगलम की यात्रा

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

मालवाहक जलयान एमवी चुगलम जंगलीघाट जेटी से 5 दिसंबर को सुबह 8 बजे कार निकोबार के लिए रवाना होगा और माल उतारने व लादने के तुरंत बाद श्री विजय पुरम के लिए रवाना होगा। प्राप्त विज्ञप्ति में सभी माल भेजने वालों को यह भी सलाह दी गई है कि वे माल की वास्तविक मात्रा का पता लगाएं, क्योंकि कोई अतिरिक्त कार्गो की अनुमति नहीं होगी।

लैंगिक संवेदीकरण कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

अण्डमान कॉलेज (एनकॉल) ने आज आंतरिक शिकायत समिति के तहत एनकॉल के कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से लैंगिक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता, सुरक्षित कार्यस्थल प्रथाओं और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर जागरूकता को बढ़ावा देना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एनकॉल के प्राचार्य डॉ. एस. जयकुमार इस कार्यक्रम में शामिल हुए और सत्र का आयोजन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के वन स्टॉप सेंटर से श्रीमती नीला बैद्य और श्रीमती शांति मुरुगेसन द्वारा किया गया। एनकॉल के शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया।

शिनाख्त के लिए शव को रखा गया

श्री विजय पुरम, 29 नवंबर

यहां के जीबी पंत अस्पताल में 27 नवम्बर, 2025 को लगभग 31 वर्ष की आयु के पुरुष मरीज अमित बिस्वास की मृत्यु हो गई। मृतक का शव जीबी पंत अस्पताल के शीतगृह में रखा गया है। अभी तक कोई भी रिश्तेदार या कोई व्यक्ति शव का दावा करने के लिए सामने नहीं आया है। मृत शरीर का दावा करने के लिए आम लोग/गैर सरकारी संगठन, मृतक के रिश्तेदार आगे आ सकते हैं। जीबीपीएच की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्तिया परिजन प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर उक्त मृत

शरीर का दावा करने के लिए आगे नहीं आते हैं तो मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, जीबी पंत अस्पताल को इस मृत शरीर को बिना किसी नोटिस के निपटाने की स्वतंत्रता होगी।

120 अभ्यर्थी कार्यक्रम में शामिल हुए, कार्यक्रम

पृष्ठ 1 का शेष

फिरोज़ आलम, एसडीपीओ, स्वराज द्वीप, ने भी प्रेरणादायक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव, तैयारी से जुड़े दृष्टिकोण और बहुमूल्य सलाह प्रतिभागियों के साथ साझा की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार लगभग 120 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। संदेह निवारण सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती अर्चना सिंह, उप शिक्षा निदेशक (योजना), नोडल अधिकारी, राज्य पुस्तकालय ने अधिकारियों को धन्यवाद स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया।

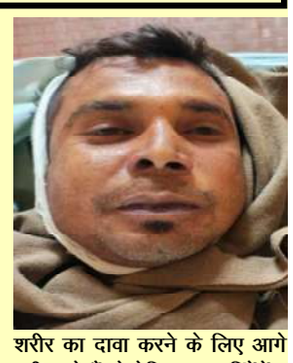

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन, बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

F. No. 5-68/ICDS/SA/SNP-1/2024-25/372 दिनांक 22.11.2025

बाल विकास परियोजना अधिकारी, आईसीडीएस परियोजना फरारगंज, निदेशालय सामाजिक कल्याण अंतर्गत, पंजीकृत बोनाफाइड आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों से पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) से संबंधित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित करती है। यह आपूर्ति 59 आंगनवाड़ी केन्द्रों (दक्षिण अण्डमान) के लिए दरों की स्वीकृति की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी।

क्र.सं.	सेवा का नाम	59 आंगनवाड़ी केन्द्रों (दक्षिण अण्डमान) हेतु पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) सामग्री की आपूर्ति।
1.	पात्रता	पंजीकृत फर्में
2.	अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD)	रु. 49,820/–
3.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	08/12/2025 के प्रातः 11.00 बजे तक
4.	तकनीकी बोली खोलने की तिथि	08/12/2025 प्रातः 11.30 बजे
5.	वित्तीय बोली खोलने की तिथि	तकनी की बोली मूल्यांकन पूर्ण होने के बाद (वित्तीय बोली केवल उन्हीं निविदाकर्ताओं की खोली जाएगी जो तकनीकी बोली में योग्य होंगे)
6.	निविदा दस्तावेज संग्रहण	https://eprocure.andamannicobar.gov.in से 24/11/2025 से 08/12/2025 प्रातः 11.30 बजे तक उपलब्ध।

निविदा दस्तावेज पोर्टल https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

Tender ID: 2025_DSW_20693_1

बाल विकास परियोजना अधिकारी
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज

अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन, बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

F. No. 5-68/ICDS/SA/SNP-1/2024-25/373 दिनांक 22.11.2025

बाल विकास परियोजना अधिकारी, आईसीडीएस परियोजना फरारगंज, सामाजिक कल्याण निदेशालय के अंतर्गत, पंजीकृत बोनाफाइड आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों से पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) से संबंधित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित करती है। यह आपूर्ति 23 आंगनवाड़ी केन्द्रों (स्वराज द्वीप और शहीद द्वीप) के लिए दरों की स्वीकृति की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी।

क्र.सं.	सेवा का नाम	23 आंगनवाड़ी केन्द्रों (स्वराज द्वीप और शहीद द्वीप) हेतु पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) सामग्री की आपूर्ति।
1.	पात्रता	पंजीकृत फर्में
2.	अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD)	रु. 17,196/–
3.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	08/12/2025 के प्रातः 11.30 बजे तक
4.	तकनीकी बोली खोलने की तिथि	08/12/2025 प्रातः 12.00 बजे
5.	वित्तीय बोली खोलने की तिथि	तकनीकी बोली मूल्यांकन पूर्ण होने के बाद (वित्तीय बोली केवल उन्हीं निविदाकर्ताओं की खोली जाएगी जो तकनीकी बोली में योग्य होंगे)
6.	निविदा दस्तावेज संग्रहण	https://eprocure.andamannicobar.gov.in से 24/11/2025 से 08/12/2025 प्रातः 11.30 बजे तक उपलब्ध।

निविदा दस्तावेज पोर्टल https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

Tender ID: 2025_DSW_20695_1

बाल विकास परियोजना अधिकारी
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज

अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन, बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

F. No. 5-68/ICDS/SA/SNP-1/2024-25/374 दिनांक 22.11.2025

बाल विकास परियोजना अधिकारी, आईसीडीएस परियोजना फरारगंज, सामाजिक कल्याण निदेशालय के अंतर्गत, पंजीकृत बोनाफाइड आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों से पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) से संबंधित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित करती है। यह आपूर्ति 36 आंगनवाड़ी केन्द्रों (लिटिल अण्डमान) के लिए दरों की स्वीकृति की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी।

क्र.सं.	सेवा का नाम	39 आंगनवाड़ी केन्द्रों (लिटिल अण्डमान) हेतु पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) सामग्री की आपूर्ति।
1.	पात्रता	पंजीकृत फर्में
2.	अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD)	रु. 25,543/–
3.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	08/12/2025 के प्रातः 12.00 बजे तक
4.	तकनीकी बोली खोलने की तिथि	08/12/2025 प्रातः 12.30 बजे
5.	वित्तीय बोली खोलने की तिथि	तकनीकी बोली मूल्यांकन पूर्ण होने के बाद (वित्तीय बोली केवल उन्हीं निविदाकर्ताओं की खोली जाएगी जो तकनीकी बोली में योग्य होंगे)
6.	निविदा दस्तावेज संग्रहण	https://eprocure.andamannicobar.gov.in से 24/11/2025 से 08/12/2025 प्रातः 12.00 बजे तक उपलब्ध।

दस्तावेज पोर्टल https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

Tender ID: 2025_DSW_20698_1

बाल विकास परियोजना अधिकारी
आईसीडीएस परियोजना, फरारगंज

एचआईवी महामारी को समाप्त करने का लक्ष्य और भारत की स्थिति

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाने वाला विश्व एड्स दिवस, एचआईवी संक्रमण के कारण होने वाले एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस महामारी से पीड़ित लोगों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिन उन लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी है जिन्होंने इस बीमारी के कारण अपनी जान गंवाई है। हालाँकि चिकित्सा विज्ञान ने पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व प्रगति की है–एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी ने एचआईवी को एक जानलेवा बीमारी से एक प्रबंधनीय पुरानी स्थिति में बदल दिया है–फिर भी इसे पूरी तरह समाप्त करने की लड़ाई अभी भी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वर्ष 2023 के अंत तक, दुनिया भर में अनुमानित 3.9 करोड़ (39 मिलियन) लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे थे। इन आँकड़ों में बड़ी सफलता भी छिपी है: एक अनुमान के अनुसार, 1990 के दशक के मध्य से अब तक उपचार और रोकथाम के प्रयासों के कारण 2.5 करोड़ (25.3 मिलियन) से अधिक लोगों की जान बचाई जा चुकी है।

एचआईवी महामारी को 2030 तक समाप्त करने के लिए, UNAIDS ने '95–95–95' लक्ष्य निर्धारित किया है।

एचआईवी के साथ जी रहे 95 प्रतिशत लोगों को अपनी स्थिति का पता हो।

उनमें से 95 प्रतिशत लोगों को एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी मिल रही हो।

ART ले रहे लोगों में से 95 प्रतिशत में वायरल लोड सप्रेस हो (यानी वे संक्रमण आगे न फैला सकें)। वैश्विक स्तर पर, 2022 के अंत तक, ये आँकड़े क्रमशः 86 प्रतिशत, 89 प्रतिशत और 93 प्रतिशत थे। हालाँकि प्रगति सराहनीय है, लेकिन अंतिम लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अभी भी बड़े प्रयास की आवश्यकता है, खासकर बच्चों और प्रमुख जोखिम समूहों में।

भारत में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम ने एचआईवी के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, भारत में HIV का प्रसार धीरे–धीरे घट रहा है। हालाँकि, भारत अभी भी एचआईवी के साथ जी रहे लोगों की संख्या के मामले में विश्व में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत में एचआईवी के साथ जी रहे लोगों में से अधिकांश को अब मुफ्त एआरटी उपलब्ध है, और देश 'टेस्ट एंड ट्रीट' नीति पर सख्ती से काम कर रहा है। चुनौती अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों, प्रवासी कामगारों और हाई–रिस्क समूहों तक पहुंच बनाने और कलंक को खत्म करने में है। भारत ने मातृत्व से शिशु में एचआईवी संक्रमण को समाप्त करने के लिए भी उल्लेखनीय काम किया है।

विश्व एड्स दिवस हमें याद दिलाता है कि भले ही हमने बहुत कुछ हासिल किया हो, लेकिन आत्मसंतुष्ट होने का समय नहीं आया है। जब तक हर नया संक्रमण, एड्स से जुड़ी हर मौत, और भ्ट से पीड़ित हर व्यक्ति के खिलाफ होने वाला हर भेदभाव शून्य नहीं हो जाता, तब तक वैश्विक प्रतिबद्धता बनाए रखनी होगी।

समृद्धि का निर्माण : "खेत से लेकर वैश्विक प्रसिद्धि तक भारत की कॉफी की कहानी"

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

कहा जाता है कि भारत की कॉफी की यात्रा लगभग 1600 ईस्वी में शुरू हुई थी, जब सूफी संत बाबा बुदन ने यमन के मोचा पोर्ट से लाए गए सात कॉफी के बीज कर्नाटक के चिकमंगलुरु की बाबा बुदन गिरी पहाड़ियों में लगाए थे। शुरुआत में इसे बगीचे की फसल के तौर पर उगाया गया, लेकिन धीरे–धीरे कॉफी की खेती बढ़ी, जिससे 18वीं सदी में व्यावसायिक बागान लगाए गए। तब से, भारतीय कॉफी दुनिया के कॉफी नक्शे पर एक अलग पहचान के साथ एक फलती–फूलती इंडस्ट्री बन गई है। भारतीय कॉफी की खेती सदाबहार और फलीदार पेड़ों के एक अनोखे दो–लेवल वाले शेड सिस्टम में की जाती है, जिसमें लगभग 50 किस्में मिट्टी की सेहत और बायोडायवर्सिटी को बढ़ाती हैं। पश्चिमी और पूर्वी घाटों और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में 4.91 लाख हेक्टेयर में उगाई जाने वाली कॉफी, पर्यावरण के लिए टिकाऊ और आर्थिक रूप से जरूरी बागान फसल, दोनों के तौर पर काम करती है। कॉफी सेक्टर दो मिलियन से ज्यादा लोगों की रोजी–रोटी चलाता है, जो खेती, प्रोसेसिंग और व्यापार में लगे हुए हैं। इसमें छोटे किसानों का दबदबा है, जो देश की लगभग 99 प्रतिशत जोत और कुल उत्पादन का 70 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

कॉफी के बागान मसालों के बागानों की तरह भी काम करते हैं, जहां कॉफी के साथ–साथ काली मिर्च, इलायची, वनीला, संतरा और केला जैसे कई तरह के मसाले उगाए जाते हैं। पश्चिमी घाट, जो दुनिया के 25 बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट में से एक है और ईस्टर्न घाट, इसके लिए अनुकूल स्थिति देते हैं, जहां अरेबिका ठंडे ऊंचे इलाकों में और रोबस्टा गर्म, नमी वाले इलाकों में खूब उगती है। भारत की रोबस्टा दुनिया भर में सबसे अच्छी मानी जाती है, जबकि इसकी अरेबिका अपनी बेहतर क्वालिटी और खास स्वाद के लिए पसंद की जाती है। कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया के अनुसार, भारत अब दुनिया के सबसे बड़े कॉफी उत्पादक में से एक है, जो कॉफी का सातवां सबसे बड़ा उत्पादक है और ग्लोबल कॉफी प्रोडक्शन में लगभग 3.5 प्रतिशत का योगदान देता है। भारत हर साल लगभग 3.6 लाख टन कॉफी उत्पाद करता है, जिसका लगभग 70 प्रतिशत 128 देशों को निर्यात किया जाता है, जो भारतीय कॉफी की बढ़ती वैश्विक मांग को दिखाता है।

भारत में कॉफी इंडस्ट्री मुख्य रूप से कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु जैसे कॉफी उगाने वाले बड़े राज्यों में है, जो मिलकर देश के कुल कॉफी उत्पादन का लगभग 96 प्रतिशत हिस्सा हैं। इनमें कर्नाटक 2,80,275 मीट्रिक टन (2025–26 के लिए पोस्ट ब्लॉसम एस्टिमेट) के प्रोडक्शन के साथ सबसे आगे है, इसके बाद केरल और तमिलनाडु का नंबर आता है।

भारत में कॉफी उगाने की जगह 13 अलग–अलग एग्रो–क्लाइमैटिक जोन में बंटी हुई है, जिनमें से हर एक की वैश्विक बाजार में अपनी कॉफी के लिए एक खास पहचान है। इन जोन को तीन बड़े ग्रुप में बांटा गया है) पारंपरिक इलाके जिनमें कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं) गैर–पारंपरिक इलाके– आंध्र प्रदेश और ओडिशा और उत्तर पूर्वी इलाके, जिनमें असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा शामिल हैं। कॉफी आंध्र प्रदेश, ओडिशा और उत्तर–पूर्वी राज्यों के आदिवासी इलाकों में एक जरूरी सोशियो–इकोनॉमिक भूमिका निभाती है, जो ग्रामीण विकास और इकोलॉजिकल बैलेंस को बढ़ावा देते हुए स्थायी तौर पर रोजी–रोटी देती है। पहचाने गए कॉफी इलाकों में अनामलाई (तमिलनाडु), अराकू वैली (आंध्र प्रदेश), बाबाबुदनगिरी (कर्नाटक), चिक्कमगलुरु (कर्नाटक), कूर्ग (कर्नाटक), नीलगिरी (तमिलनाडु), शेवरॉय (तमिलनाडु), त्रावणकोर (केरल) और वायनाड (केरल) शामिल हैं।

भारत के पास पांच रीजनल और दो स्पेशलिटी कॉफी के लिए जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग हैं, यह एक ऐसी पहचान है जो इंटरनेशनल ट्रेड में उनकी प्रीमियम वैल्यू को बढ़ाती है। देश की अलग–अलग ऊंचाई, बारिश के पैटर्न और मिट्टी की स्थिति, भारतीय कॉफी की समृद्ध विविधता और बेहतरीन क्वालिटी में योगदान देती है। भारत सरकार के कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्रालय के डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड ने पांच भारतीय रीजनल कॉफी वैरायटी को जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग दिए हैं– कूर्ग अरेबिका कॉफी, वायनाड रोबस्टा कॉफी, चिकमगलूर अरेबिका कॉफी, अराकू वैली अरेबिका कॉफी और बाबाबुदंगिरीस अरेबिका कॉफी। इसके अलावा, भारत की एक खास स्पेशलिटी कॉफी, मॉनसून्ड मालाबार रोबस्टा कॉफी को भी GI सर्टिफिकेशन मिला है।

स्पेशलिटी कॉफी सबसे अच्छी क्वालिटी के बीन्स होते हैं, जो अपने शानदार स्वाद, खुशबू और दिखने में खास होते हैं। ये कॉफी ध्यान से खेती, चुनकर तोड़ने और बहुत बारीकी से प्रोसेसिंग करके बनाई जाती हैं, जिससे दुनिया भर के समझदार कस्टमर्स को खास स्वाद मिलता है। अपनी खासियत और कारीगरी की वजह से, स्पेशलिटी कॉफी प्रीमियम कीमतों पर मिलती हैं और भारत के कॉफी सेक्टर का एक तेजी से बढ़ता हुआ हिस्सा बन गई हैं। भारतीय प्लांटर्स ने दुनिया भर में मशहूर स्पेशलिटी कॉफी बनाने की कला में महारत हासिल कर ली है, जिनमें शामिल हैं–

मॉनसून्ड मालाबार ।। – अपने स्मूद, हल्के स्वाद और कम एसिडिटी के लिए जानी जाती है, जिसे भारत के पश्चिमी तट पर एक खास मॉनसूनिंग प्रोसेस से बनाया गया है।

मैसूर नगेट्स एक्स्ट्रा बोल्ड – भारत की सबसे अच्छी अरेबिका कॉफी में से एक, जिसके बड़े बीन्स, अच्छी खुशबू और भरपूर स्वाद होता है।

रोबस्टा कापी रॉयल – एक बेहतर रोबस्टा वैरायटी जो अपने बोल्ड स्वाद, बेहतरीन क्रेमा और एस्प्रेसो ब्लेंड के लिए अनुकूल है।

इस पहचान ने भारतीय कॉफी प्रोड्यूसर्स को इलाके की कॉफी की खासियत को बनाए रखने, भारतीय कॉफी की ग्लोबल प्रोफाइल को बेहतर बनाने और अपनी प्रीमियम वैरायटी के लिए बेहतर कीमतें पाने में मदद की है। कुल मिलाकर, ये खास कॉफी भारत की परंपरा, इनोवेशन और बेहतरीन काम के तालमेल को दिखाती हैं, जिससे देश ग्लोबल कॉफी इंडस्ट्री में एक अहम खिलाड़ी बन गया है।

1940 के दशक में, भारत की कॉफी इंडस्ट्री को दूसरे विश्व युद्ध, गिरती कीमतों और कीड़ों और बीमारियों के बड़े पैमाने पर फैलने की वजह से एक गंभीर संकट का सामना करना पड़ा। इस सेक्टर को बचाने और फिर से जिंदा करने के लिए, भारत सरकार ने "कॉफी एक्ट VII ऑफ 1942" लागू किया, जिससे कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल में कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया की स्थापना हुई। बोर्ड में 33 सदस्य हैं, जिनमें चेयरमैन, सेक्रेटरी और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के साथ–साथ कॉफी उगाने वालों, व्यापारियों, क्योरिंग यूनिट्स, लेबर, कंज्यूमर्स, मुख्य कॉफी उगाने वाले क्षेत्रों की राज्य सरकारों और संसद सदस्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। कॉफी बोर्ड का मुख्य काम रिसर्च और डेवलपमेंट के जरिए पूरी कॉफी वैल्यू चेन को सपोर्ट और डेवलप करना है। टेक्निकल और फाइनेंशियल मदद, घरेलू और इंटरनेशनल मार्केट में प्रमोशन। यह प्रोडक्शन, प्रोडक्टिविटी और क्वालिटी को बेहतर बनाने, ज्यादा वैल्यू पाने के लिए एक्सपोर्ट बढ़ाने और इंटीग्रेटेड कॉफी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत ड्राइंग यार्ड और पल्पर यूनिट्स जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए काम करता है।

निर्यात प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत, "इंडिया ब्रांड" के रूप में खुदरा पैक में निर्यात की जाने वाली मूल्यवर्धित कॉफी के लिए और संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, फिनलैंड, नॉर्वे और डेनमार्क जैसे दूरदराज के गंतव्यों तक उच्च मूल्य वाली हरी कॉफी के निर्यात के लिए पारगमन, माल ढुलाई सहायता प्रदान की जाती है, जबकि यूरोपीय संघ, रूस और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध बनाए रखते हैं। बोर्ड प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भारतीय कॉफी का सक्रिय रूप से प्रतिनिधित्व करता है और प्रीमियम कॉफी की पहचान करने और उन्हें वैश्विक खरीदारों से जोड़ने के लिए लेवर ऑफ इंडिया–द फाइन कप प्रतियोगिता का आयोजन करता है।

नए लेबर कोड लागू : महिलाओं की सुरक्षा, मातृत्व लाभ और रोजगार अवसरों को बड़ा विस्तार

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

सरकार सरकार ने बीते शुक्रवार को चार नए लेबर कोड लागू कर दिए, जिनका उद्देश्य देश में कामकाज से जुड़े कानूनों को सरल, आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाना है। ये चार लेबर कोड–कोड ऑन वेजेज (2019), इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड (2020), कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी (2020) और Occupational Safety, Health and Working Conditions (OSHWC) Code (2020) कुल 29 पुराने केंद्रीय श्रम कानूनों की जगह लेंगे। इन सुधारों का एक प्रमुख लक्ष्य महिलाओं की नौकरी में भागीदारी बढ़ाना और उनके लिए सुरक्षित, समावेशी और लचीला कार्य वातावरण तैयार करना है।

सरकार के मुताबिक नए लेबर कोड महिलाओं के लिए मातृत्व लाभ, कार्यस्थल सुरक्षा, लैंगिक समानता और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में प्रतिनिधित्व जैसी कई सुविधाओं को मजबूत करते हैं। इससे नौकरी में महिलाओं की स्थिति और अधिकार दोनों सशक्त होंगे। इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड (2020) के तहत महिलाओं को अब हर शिकायत निवारण समिति में अनुपातिक प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। इससे महिलाएं कार्यस्थल विवादों, उत्पीड़न और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को आसानी और आत्मविश्वास के साथ उठा सकेंगी।

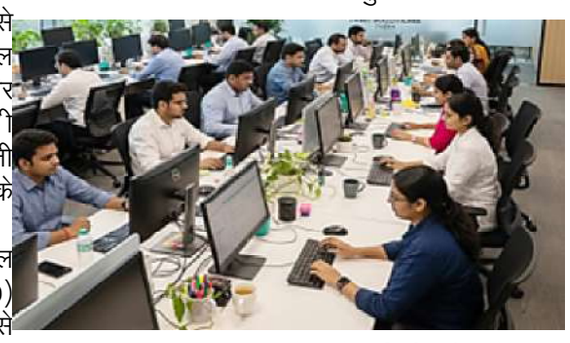

कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी (2020) महिलाओं को कम से कम 80 दिन काम करने पर 26 सप्ताह तक का पेड मैटरनिटी लीव देता है, जिसमें से आठ सप्ताह प्रसव से पहले लिए जा सकते हैं। तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को विधिवत गोद लेने वाली महिलाएं और सरोगेसी के माध्यम से मातृत्व पाने वाली महिलाएं 12 सप्ताह की छुट्टी की हकदार होंगी। प्रसव या गोद लेने के बाद, यदि संभव हो, तो महिलाएं नियोक्ता की सहमति से वर्क–फ्रॉम–होम भी कर सकेंगी।

मातृत्व से जुड़े मामलों–जैसे गर्भावस्था, प्रसव, गर्भपात, चिकित्सकीय गर्भसमापन, ट्यूबेक्टॉमी या इनसे जुड़े रोग का प्रमाण अब रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर, ASHA कार्यकर्ता, प्रशिक्षित नर्स या दाई द्वारा भी दिया जा सकेगा। यदि नियोक्ता प्रसव पूर्व या प्रसवोत्तर देखभाल मुफ्त में नहीं देता, तो महिलाओं को 3,500 रुपये का मेडिकल बोनस मिलेगा। प्रसव के बाद माताओं को बच्चे के 15 महीने होने तक प्रतिदिन दो बार स्तनपान अवकाश मिलेगा। 50 या अधिक कर्मचारियों वाली हर संस्था में निर्धारित दूरी पर क्रेच की सुविधा अनिवार्य होगी, जहां महिलाएं दिन में चार बार जा सकेंगी।

नए लेबर कोड महिलाओं को रात की पाली में भी काम करने की अनुमति देते हैं। सुबह 6 बजे से पहले और शाम 7 बजे के बाद– बशर्ते सुरक्षा, परिवहन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे कई ऐसे क्षेत्रों में भी महिला रोजगार बढ़ेगा जो पहले सीमित थे। वहीं कोड ऑन वेजेज भर्ती, वेतन और काम की शर्तों में लैंगिक भेदभाव पर रोक लगाता है और समान काम के लिए समान वेतन का अधिकार देता है। इसके अलावा केंद्र और राज्य स्तरीय Advisory Boards में एक–तिहाई सदस्य महिलाएं होंगी ताकि वे न्यूनतम वेतन, रोजगार के अवसर और नीतिगत निर्णयों में अधिक योगदान दे सकें।

अब विदेशों में अपनी संपत्ति छुपाने वालों पर आयकर विभाग सख्ती बरतने की तैयारी में

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

आयकर विभाग विदेशों में अपनी संपत्ति छुपाने को लेकर कई टैक्सपेयर्स पर सख्ती बरतने की तैयारी में है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गुरुवार को 'एनयूडीजीई' पहल के दूसरे चरण को लॉन्च करने का ऐलान किया है, जिसका मकसद विदेशी एसेट्स और इनकम की रिपोर्टिंग में वॉलंटरी कम्प्लायंस को मजबूत करना है।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आयकर विभाग ने ऐसे अधिक–जोखिम वाले मामलों को चिह्नित किया है जिनमें करदाताओं ने मूल्यांकन वर्ष 2025–26 के आयकर रिटर्न में अपनी विदेशी परिसंपत्तियों का ब्योरा नहीं दिया है। सीबीडीटी के मुताबिक आयकर विभाग की ओर से 28 नवंबर से इन करदाताओं को एसएमएस एवं ई–मेल भेजा जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी।

आयकर विभाग ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024–25 के लिए एईओआई जानकारी के विश्लेषण से ऐसे कई मामलों का पता चला है, जिनमें विदेशी संपत्तियां होने की संभावना है, लेकिन इस साल के रिटर्न में उनका ब्योरा नहीं दिया गया है। सीबीडीटी अपनी दूसरे 'एनयूडीजीई' इनिशिएटिव के तहत सीबीडीटी 28 नवंबर से पहचाने गए टैक्सपेयर्स को एसएमएस और ई–मेल भेजेगा, जिसमें उन्हें सलाह दी जाएगी कि वे 31 दिसंबर तक या उससे पहले अपनी मर्जी से अपने रिटर्न को रिव्यू और रिवाइज करें, ताकि सजा से बचा जा सके।

मंत्रालय के मुताबिक सीबीडीटी को भारतीय निवासियों की विदेशी वित्तीय संपत्तियों की जानकारी सूचना–साझाकरण प्रणालियों– कॉमन रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड (सीआरएस) और अमेरिकी विदेशी खाता कर अनुपाल अधिनियम के तहत मिलती है। यह सूचना रिटर्न में संभावित त्रुटियों को पहचानने और करदाताओं को सही अनुपालन के लिए मार्गदर्शन करने में सहायक होती है। इस अभियान का उद्देश्य आईटीआर में विदेशी परिसंपत्तियों (एफए) और विदेशी स्रोत से आय (एफएसआई) खंडों के तहत सही और पूर्ण विवरण सुनिश्चित करना है। विदेशी संपत्तियों एवं विदेशी स्रोत से आय का सही खुलासा आयकर अधिनियम, 1961 और काला धन अधिनियम, 2015 के तहत कानूनी रूप से अनिवार्य है।

इतिहास के पन्नों में 30 नवम्बर

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

1731 – बीजिंग में भूकंप से लगभग एक लाख लोग मरे।

1759 – दिल्ली के सम्राट आलमगिर द्वितीय की उसके मंत्री ने हत्या की।

1939 – तत्कालीन सोवियत रूस ने सीमा विवाद को लेकर फिनलैंड पर आक्रमण किया।

1961 – तत्कालीन सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिये कुवैत के आवेदन का विरोध किया।

1965 – गुड़ियों का संग्रहालय दिल्ली की स्थापना मशहूर कार्टूनिस्ट 'के. शंकर पिल्लई' ने की थी।

1997 – भारत–बांग्लादेश विवादित सीमा क्षेत्र में यथास्थिति बनाये रखने पर सहमत।

1999 – सं.रा. अमेरिका के उत्तर पश्चिम 'सिएटल' में विश्व व्यापार संगठन का तीसरा अधिवेशन प्रारम्भ।

–विश्व के बड़े मीटर वेव रेडियो टेलीस्कोप का पुणे के समीप नारायण गांव में उदघाटन।

2001 – विश्व प्रसिद्ध पॉप गायक जार्ज हैरीसन का निधन।

2002 – आईसीसी ने जिम्बाब्वे में न खेलने वाले देशों के ख़लिाफ़ कार्रवाई की चेतावनी दी।

2004 – बांग्लादेश की संसद में महिलाओं के लिए 45 प्रतिशत सीटों वाला विधेयक पारित।

2008– मुम्बई में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने संघीय जाँच एजेंसी के गठन की घोषणा की।

चुनाव आयोग ने ऐप ईसीआईनेट को बेहतर बनाने के लिए सुझाव मांगे

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

चुनाव आयोग ने सभी नागरिकों को ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड करने और ऐप पर 'सुझाव जमा करें' टैब का उपयोग करके ऐप को बेहतर बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किया है। यह 27 नवंबर से 27 दिसंबर के बीच किया जा सकता है।

ईसीआईनेट ऐप के परीक्षण संस्करण का उपयोग बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और हाल के उपचुनावों के दौरान किया गया था। इस नए मंच ने बेहतर मतदाता सेवाओं, मतदान प्रतिशत दर रुझानों की त्वरित उपलब्धता और मतदान समाप्त होने के 72 घंटों के भीतर अनुक्रमणिका कार्डों के प्रकाशन को भी सक्षम बनाया।

मंच की कार्यक्षमता को और बढ़ाना के लिए बिहार चुनावों से मिली सीख और सीईओ, डीईओ, ईआरओ, पर्यवेक्षकों और क्षेत्रीय अधिकारियों से प्राप्त प्रतिक्रिया को शामिल किया जा रहा है। उपयोगकर्ता के सुझावों की जांच की जाएगी और प्लेटफॉर्म को और अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए इसे और अद्यतन किया जाएगा।

ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म का आधिकारिक शुभारंभ जनवरी 2026 में करने की योजना है। मतदाताओं की सुविधा में सुधार और प्रौद्योगिकी के उपयोग से चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना इसका उद्देश्य है। ईसीआईनेट मुख्य

निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आयोग की प्रमुख पहलों में से एक है।

उल्लेखनीय है कि ईसीआई नेट ऐप नागरिकों के लिए एक एकल, एकीकृत ऐप है जो पहले के 40 अलग–अलग चुनाव संबंधी अनुप्रयोगों/वेबसाइटों जैसे कि वोटर हेल्प लाइन ऐप (वीएचए), सीविजिल, सक्षम, पोलिंग ट्रेंड्स (वोटर टर्नआउट ऐप), नो योर कैंडिडेट (केवाईसी) ऐप को एक इंटरफेस में एकी.त करता है। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर दोनों से डाउनलोड किया जा सकता है।

भारत को 2025–29 के कार्यकाल के लिए यूनेस्को कार्यकारी बोर्ड में पुनः निर्वाचित किया गया

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

भारत को 2025–29 के कार्यकाल के लिए यूनेस्को कार्यकारी बोर्ड में पुनः निर्वाचित किया गया है। यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह पुनर्निर्वाचन बहुपक्षवाद के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान, संचार तथा सूचना के क्षेत्र में यूनेस्को के अधिदेश के प्रति अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के विश्वास को दर्शाता है।

इसमें आगे कहा गया है कि कार्यकारी बोर्ड में भारत की निरंतर उपस्थिति समावेशी, मानव–केंद्रित विकास और राष्ट्रों के बीच सहयोग को मज़बूत करने के उसके दृष्टिकोण के लिए बढ़ते वैश्विक समर्थन को दर्शाती है। भारत ने सभी

सहयोगी देशों को उनके विश्वास के लिए धन्यवाद दिया है और आने वाले वर्षों में यूनेस्को के कार्यों में रचनात्मक योगदान देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

एआई–आधारित पूर्वानुमान मॉडल से देश की रोग निगरानी प्रणाली होगी अधिक मजबूत

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

भारत, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाते हुए, अपने रोग निगरानी दृष्टिकोण को, पारंपरिक तरीके से जांच की विधियों को परिवर्तित करके एक पूर्वानुमान मॉडल में बदलने जा रहा है। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वास्तविक समय डेटा विश्लेषण और डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म को एकीकृत किया जाएगा।

यह प्लेटफार्म महामारी के बढ़ने से पहले उसकी पहचान करने संबंधी देश की योग्यता को बढ़ावा देगा। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र–एनसीडीसी के अनुसार एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच के तहत ए.आई. आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग पहले से ही किया जा रहा है।

एनसीडीसी के निदेशक प्रोफेसर रंजन दास ने कहा कि ए.आई संचालित निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया नियामक सक्षम तंत्र समय पर लक्षित कार्यवाही के माध्यम से हजारों लोगों की जान बचाने की क्षमता के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा को परिवर्तित करने की सुविधा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव संक्रामक रोगों और जलवायु संबंधी स्वास्थ्य जोखिमों के विरूद्ध भविष्य के लिए तैयार जन स्वास्थ्य प्रणाली को निर्मित करने और राष्ट्रीय तैयारी को बढ़ाने संबंधी सरकार के .ष्टिकोण के अनुरूप है।

केन्द्र सरकार ने जनवरी 2024 में समुदाय में असामान्य स्वास्थ्य घटनाएं या प्रकोप संबंधी समय पर सूचना सुनिश्चित करने और निगरानी को सशक्त बनाने के लिए सामुदायिक रिपोर्टिंग उपकरण का शुभारंभ किया था। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के प्रमुख और अपर निदेशक डॉक्टर हिमांशु चौहान ने कहा कि सामुदायिक रिपोर्टिंग उपकरण रोगों विशेषकर प्रकोप के पूर्व चेतावनी संकेतों का पता लगाने में समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि सामुदायिक रिपोर्टिंग उपकरण किसी प्रकार के असामान्य मामलों की सूचना लोगों को आसानी से उपलब्ध कराने योग्य बनाएगा। एनसीडीसी अपनी निगरानी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए अन्य मंत्रालयों और राष्ट्रीय विज्ञान संस्थानों के साथ भी सहयोग कर रहा है।

अमेरिका ने अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगाई

वॉशिंगटन, 29 नवंबर।

अमेरिका ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता का हवाला देते हुए अफगानिस्तान के पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन की यह कार्रवाई उस घटना के बाद की गई है जिसमें एक अफगान नागरिक ने 26 नवंबर को व्हाइट हाउस से पास दो गार्ड्स को गोली मार दी थी।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान के पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करना रोक दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पोस्ट साझा करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व वाले स्टेट डिपार्टमेंट ने अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करना रोक दिया है। अपने लोगों की सुरक्षा अमेरिका की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

उल्लेखनीय है कि एक अफगान नागरिक ने 26 नवंबर को व्हाइट हाउस से पास दो गार्ड्स को गोली मार दी थी। जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए घोषणा कर दी कि अमेरिकी प्रशासन तीसरी दुनिया से आने वाले प्रवासियों पर स्थायी प्रतिबंध लागू करेगा, ताकि अमेरिकी व्यवस्था को पूरी तरह पुनर्स्थापित होने के लिए समय मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका देश के अंदर मौजूद गैर–नागरिकों को दिए जाने वाले संघीय लाभ और सब्सिडी बंद कर देगा।

चिल्का झील से लेकर लक्षद्वीप तक, भारत की 5 मशहूर जगह जहां आपको आसानी से दिख सकती है डॉल्फिन

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

भारत में समुद्र से लेकर नदियों तक कई जगह ऐसी है जहां डॉल्फिन आसानी से देखी जा सकती है. अक्सर लोग डॉल्फिन को विदेशी देशों से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हमारे देश में भी कई खूबसूरत जगह है जहां यह नजर आती है. गंगा नदी के मीठे पानी से लेकर लक्षद्वीप के साफ समुंदर तक में डॉल्फिन हर साल बड़ी संख्या में पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करती है.

भारत की डॉल्फिन राजधानी कही जाने वाली उड़ीसा की चिल्का झील दुर्लभ इरावडी डॉल्फिन देखने के लिए देश की सबसे मशहूर जगह है. गोल सिर और पानी में खेलते हुए नजर आने वाली डॉल्फिन की यह प्रजाति सबसे ज्यादा सतपाड़ा और रंभा इलाके के पास दिखाई देती है. वहीं यहां डॉल्फिन देखने के लिए नवंबर से फरवरी तक का समय सबसे अच्छा माना जाता है, जब प्रवासी पक्षी भी झील की खूबसूरती को बढ़ा देते हैं.

वहीं समुद्र तटों और छुट्टियों के लिए मशहूर गोवा डॉल्फिन देखने के लिए भी पसंदीदा जगह है. यहां के समुद्र में इंडो पैसिफिक, हंपबैक और बॉटलनोज डॉल्फिन अक्सर दिखाई देती है. यह खासतौर पर सिंगैरियम, कैंडोलिम, कलंगुट और पालोलेम बीच के आसपास आसानी से देखी जा सकती है. डॉल्फिन देखने के लिए गोवा में अक्टूबर से मई का समय सबसे सही माना जाता है.

लक्षद्वीप का साफ और शांत पानी स्पिनर और कॉमन डॉल्फिन देखने के लिए बेहतरीन जगह मानी जाती है.

पानी में छलांग लागते और घूमते हुए इन डॉल्फिन को देखना किसी वाइल्ड लाइफ लवर के लिए एक अलग ही अनुभव होता है. लक्षद्वीप में नवंबर से मार्च का सुखा मौसम डॉल्फिन देखने के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है.

अण्डमान तथा निकोबार के साफ समुद्री पानी में भी बॉटलनोज, स्पिनर और इंडो पैसिफिक हंपबैक डॉल्फिन अक्सर दिखाई देती है. खासतौर पर हैवलॉक आईलैंड और नॉर्थ बे डॉल्फिन क्रूज के लिए मशहूर है. यहां डॉल्फिन देखने का सबसे अच्छा समय नवंबर से अप्रैल तक का माना जाता है.

इनके अलावा बिहार में गंगा नदी के सुल्तानगंज से कहलगांव तक फैले विक्रमशिला गेंगेटिक डॉल्फिन सेंचुरी में दुर्लभ गंगा की मीठे पानी वाली डॉल्फिन पाई जाती है. यह प्रजाति स्वभाव से लगभग अंधी होती है और गूंज की मदद से रास्ता पहचानती है. इसे भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव भी माना गया है. अक्टूबर से मार्च तक का समय यहां डॉल्फिन देखने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है.

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय ने शुरू की दस्तावेजों तक रिमोट एक्सेस की सुविधा

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) ने अपने दुर्लभ दस्तावेजों की पहुंच दूर तक पहुंचने के लिए रिमोट एक्सेस की सुविधा शुरू की है। इस सुविधा से अब भारतीय इतिहास पर शोध करने वाले छात्र संस्थान के ढाई करोड़ से भी ज्यादा दस्तावेजों को देख सकेंगे। इसके लिए एक नया आईटी प्लेटफॉर्म बनाया गया है। शोधार्थियों को इस प्लेटफॉर्म पर पहले पंजीकरण करना होगा और फिर जिन दस्तावेजों को वे देखना चाहते हैं, उनका अनुरोध करना होगा। मंजूरी मिलने के बाद दस्तावेज़ उनके कंप्यूटर पर केवल देखने के लिए उपलब्ध कराए जाएँगे। उन्हें अब पीएमएमएल के दतर आने की ज़रूरत नहीं होगी

उल्लेखनीय है कि पीएमएमएल में आज़ादी के बाद सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़े दस्तावेज और सामग्री रखी गई है। यहाँ 1300 से अधिक व्यक्तियों और संस्थाओं के कुल 2.5 करोड़ से भी ज्यादा दुर्लभ दस्तावेज सुरक्षित हैं। आधुनिक और समकालीन भारतीय इतिहास पर शोध करने वाले विद्वान इनके उपयोग के लिए यहाँ आते हैं। यहां रखे दुर्लभ दस्तावेजों में पत्र, भाषण, डायरी, अखबार की कटिंग को सुरक्षित रखने और शोधार्थियों तक पहुँचाने के लिए एक बड़ा डिजिटलीकरण अभियान चलाया गया था। इस

अभियान के तहत ज़्यादातर ज़रूरी दस्तावेज डिजिटल रूप में बदलकर सिस्टम में डाल दिए गए हैं और अब शोधार्थी उन्हें ऑनलाइन देख सकते हैं।

पीएमएमएल के निदेशक अश्विनी लोहेनी ने शनिवार को बताया कि डिजिटल आर्काइव्स की यह शुरुआत तकनीक का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने और शोधार्थियों को घर बैठे जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह सुविधा शोधकर्ताओं के लिए बहुत मददगार साबित होगी और देश की ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नौसेना को मिला नीलगिरी श्रेणी का चौथा स्वदेशी एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी'

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

मझगांव डॉक शिप बिल्डिग लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित नीलगिरि श्रेणी का चौथा युद्धपोत तारागिरी, मुंबई में शनिवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। प्रोजेक्ट 17 ए के तहत बनाया गया यह युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता पाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है। यह फ्रिगेट कई तरह से इस्तेमाल होने वाले मल्टी–मिशन प्लेटफॉर्म हैं, जिन्हें समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है।

यह युद्धपोत प्रोजेक्ट–17 अल्फा फ्रिगेट्स (पी–17ए) का हिस्सा है, जो गाइडेड–मिसाइल फ्रिगेट्स का एक वर्ग है, जिसका निर्माण वर्तमान में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (एमडीएल) और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में नौसेना के लिए किया जा रहा है। एमडीएल में प्रोजेक्ट 17 ए के तहत सात स्टेल्थ फ्रिगेट बनाये जा रहे हैं, जिसमें से दूसरा जहाज 'उदयगिरि' इसी साल 01 जुलाई को सौंपा गया था। अग्रिम पंक्ति के मल्टी मिशन स्टील्थ फ्रिगेट 'उदयगिरि' को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 26 अगस्त को विशाखापत्तनम के नौसेना बेस पर नौसेना के समुद्री बेड़े में शामिल किया। 'तारागिरि' (यार्ड 12653) नीलगिरि श्रेणी का चौथा युद्धपोत है, जिसे आज नौसेना को सौंपा गया है।

नौसेना के मुताबिक तारागिरि पहले के आईएनएस तारागिरि का नया रूप है, जो एक लिएंडर–क्लास फ्रिगेट था। यह

जहाज 16 मई 1980 से 27 जून 2013 तक भारत के समुद्री बेड़े का हिस्सा था, जिसने देश को 33 साल की शानदार सेवा दी। यह स्टेट–ऑफ–द–आर्ट फ्रिगेट नेवल डिजाइन, स्टेल्थ, फायरपावर, ऑटोमेशन और सर्वाइवेबिलिटी में एक बड़ी छलांग दिखाता और वॉरशिप बनाने में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। ये बहु–मिशन फ्रिगेट भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों तरह के खतरों से निपटते हुए महासागरीय वातावरण में संचालन करने में सक्षम हैं। तारागिरि पिछले 11 महीनों में नौसेना मिलने वाला चौथा युद्धपोत है। पहले दो युद्धपोत बनाने से मिले अनुभव से तारागिरि के बनने का समय 81 महीने कम हो गया है, जबकि फर्स्ट क्लास (नीलगिरि) को बनने में 93 महीने लगे थे। प्रोजेक्ट 17ए के बाकी तीन जहाजों की (एक एमडीएल में और दो जीआरएसई में) अगस्त, 2026 तक धीरे–धीरे आपूर्ति करने की योजना है।

टाटा विमेंस प्रीमियर लीग 2026 का शेड्यूल घोषित, 9 जनवरी से 5 फरवरी तक होंगे मुकाबले

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टाटा विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। लीग का चौथा संस्करण 9 जनवरी से 5 फरवरी 2026 तक खेला जाएगा, जिसमें मुकाबले नवी मुंबई और वडोदरा में आयोजित किए जाएंगे। यह टूर्नामेंट एक बार फिर भारत और दुनियाभर की शीर्ष महिला क्रिकेटर्स के कौशल को प्रदर्शित करेगा।

सीजन की शुरुआत 9 जनवरी को नवी मुंबई में होने वाले धमाकेदार ओपनर से होगी, जहां मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। नवी मुंबई में 9 से 17 जनवरी तक कुल 11 मैच खेले जाएंगे, जो टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत तय करेंगे।

इसके बाद लीग का कारवां वडोदरा पहुंचेगा, जहां बाकी 11 मुकाबले सहित प्लेऑफ भी खेले जाएंगे। वडोदरा में पहला मुकाबला गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच होगा, जिसके बाद 2025 फाइनलिस्ट दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मुंबई के बीच हाई–वोल्टेज भिड़ंत देखने को मिलेगी। लीग चरण 01 फरवरी तक चलेगा, जिसके बाद एक दिन का ब्रेक निर्धारित है।

एलिमिनेटर मुकाबला 3 फरवरी, मंगलवार को खेला

जाएगा, जिसमें अंक तालिका में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें आमने–सामने होंगी। इसके विजेता को फाइनल में जगह पाने का मौका मिलेगा। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे 5 फरवरी 2026 को वडोदरा में होने वाले फाइनल में पहुंचेगी, जहां नए डब्ल्यूपीएल चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा।

हाल ही में नई दिल्ली में हुए मेगा ऑक्शन के बाद टीमों की संरचनाओं में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, जिससे डब्ल्यूपीएल 2026 अब तक का सबसे रोमांचक सीजन साबित होने की उम्मीद है। युवा भारतीय खिलाड़ियों और अनुभवी विदेशी सितारों के मिश्रण से यह टूर्नामेंट उच्च स्तरीय और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन करेगा।

भारत का असली सुपरफूड, जो स्वाद और सेहत दोनों का रखे ख्याल

नई दिल्ली, 29 नवम्बर।

देसी घी सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने वाली चीज नहीं है, बल्कि भारत का सदियों से माना जाने वाला असली सुपरफूड है. हमारे यहां घी को ताकत, ओज और लंबी उम्र का प्रतीक माना जाता है. आज विज्ञान भी मानता है कि देसी गाय का घी दुनिया के सबसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों में से एक है. इसमें मौजूद सीएलए, ब्यूट्रेट, ओमेगा–3, विटामिन ए, डी, ई, के2 और कई तरह के फैटी एसिड इसे एक सम्पूर्ण औषधि बना देते हैं. आयुर्वेद में इसे योगवाही कहा गया है जो दूसरी औषधियों की क्षमता भी बढ़ा देता है.

घी की सबसे खास बात है कि यह पाचन को मजबूत बनाता है. इसमें मौजूद ब्यूट्रिक एसिड आंतों को हील करता है, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम और एसिडिटी को शांत करता है और अग्नि को बढ़ाता है. मस्तिष्क के लिए तो घी किसी अमृत से कम नहीं है. यह मस्तिष्क को स्निग्धता देता है, याददाश्त सुधारता है और तनाव कम करने में मदद करता है. महिलाओं में हार्मोन बैलेंस, पीसीओडी, थायराइड और पीरियड से जुड़ी समस्याओं में भी घी के अच्छे प्रभाव माने जाते हैं.

हड्डियों और जोड़ों के लिए भी घी बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन के2 कैल्शियम को सही जगह हड्डियों में जमा करता है. जॉइंट्स में स्नेहन बढ़ता है और दर्द कम होता है. सर्दियों में घी शरीर को गर्माहट देता है, वायरल इंफेक्शन से बचाता है और रोग प्रतिरोधक

क्षमता को मजबूत करता है. आयुर्वेद में घी को रसायन, मेध्य (दिमाग के लिए टॉनिक) और उम्र बढ़ाने वाला बताया गया है. यह वात–पित्त–कफ तीनों दोषों को संतुलित करता है और शरीर की हर धातु को पोषण देता है. चरक संहिता में घी को हर ऋतु में सेवन करने योग्य सर्वश्रेष्ठ स्निग्ध बताया गया है.

घी के कई घरेलू उपयोग आज भी लोग करते हैं, जैसे सर्दी–खांसी में अदरक वाला घी, त्वचा के लिए हल्दी–घी का लेप, कब्ज में रात को घी वाला गुनगुना दूध, बालों के झड़ने में घी की मालिश और दिल की सेहत के लिए लहसुन के साथ घी का सेवन. बच्चों को थोड़ी मात्रा में शहद के साथ घी दिया जाता है ताकि पाचन और रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर हो. आंखों के सूखेपन में त्रिफला घी, एसिडिटी में घी का सेवन और नस्य के रूप में घी की 1–2 बूंदें भी पारंपरिक उपायों का हिस्सा हैं.